भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3983
27 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

घरेलू उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इस्पात उत्पादन

3983. **श्री परिमल नथवानीः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में घरेलू उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त इस्पात का उत्पादन किया जा रहा है;

(ख) विगत तीन वित्त वर्षों के दौरान देश में, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और गुजरात में, कार्यरत एकीकृत इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्पन्न इस्पात स्लैग की कुल मात्रा (मिलियन टन में) कितनी है; और

(ग) क्या सरकार ने इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए कोई योजना शुरू की है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) भारत क्रूड स्टील का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जिसने वित्त वर्ष 2024-25 में 152.18 मिलियन टन (एमटी) क्रूड स्टील का उत्पादन किया। विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में अप्रैल-फरवरी 2025-26 के दौरान इस्पात उत्पादन 138.178 एमटी से बढ़कर 153.61 एमटी हो गया, जबकि खपत 137.85 एमटी से बढ़कर 147.72 एमटी हो गई, जिससे उत्पादन में 11.2% की वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष में भारत शुद्ध निर्यातक रहा है।

(ख) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश में इस्पात के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) द्वारा उत्पन्न स्टील स्लैग की मात्रा 3.47 मिलियन टन है।

(ग) विशेष इस्पात के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जुलाई, 2021 में ₹6,322 करोड़ के परिव्यय के साथ शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य पूंजी निवेश को आकर्षित करके देश के भीतर ''विशेष इस्पात'' के विनिर्माण को बढ़ावा देना, रोजगार सृजित करना और इस्पात क्षेत्र में प्रौद्योगिकी उन्नयन को बढ़ावा देना था।

*****